NOTIFICATION NO :- 577/2025

(NOTIFICATION DATE:- 7/4/2025)

NAME:- POORNIMA SINGH

SUPERVISOR NAME: PROF. AJAY KUMAR NAURIYA

TOPIC: PRABHA KHETAN KI KATHA DRISHTI AUR YATHARTH KE ROOP

DEPARTMENT:- HINDI

बीज शब्द:- कथा दृष्टि, सामाजिक यथार्थ, राजनीतिक यथार्थ, अस्तित्व, समकालीन

बीसवीं सदी के साहित्यिक परिदृश्य में प्रभा खेतान अपनी अलग पहचान स्थापित करती हैं। उनके कथा साहित्य में उनकी संवेदना एक नयी ताकत के साथ व्यक्त हुई है। समकालीन समय में स्त्री जीवन, संबंध में आ रहे बदलाव और उससे उपजे अंतर्हद, स्त्री पुरुष संबंधों के बदलते मनोवैज्ञानिक संदर्भ, मारवाड़ी समाज में स्त्री की स्थिति तथा पारिवारिक, सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तन उनकी कथा दृष्टि के दायरे में है। प्रभा खेतान ने ना केवल भारतीय परिवेश के सामाजिक यथार्थ को अपने कथा साहित्य में उकेरा है बल्कि विदेशी परिवेश के यथार्थ भी चित्रित किया है।

समकालीन समय में लोकतान्त्रिक मूल्यों का क्षरण होने लगा है। विभाजन की मानवीय त्रासदी ने स्वतंत्र मूल्यों और प्रतिमानों को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। भ्रष्टाचार, अवसरवादी राजनीति, सांप्रदायिकता जैसी विद्रूपताओं ने देश की दशा और बिगाड़ दी है। प्रभा खेतान ने इन राजनीतिक समस्याओं, उसके यथार्थ को अपने साहित्य का विषय बनाया है।

प्रभा खेतान के कथा साहित्य में मानव जीवन का यथार्थ चित्रण हुआ है। उनके पात्र समाज से ही लिए गए है। प्रभा खेतान के कथा साहित्य में ये सभी पात्र अपने अस्तित्व की स्थापना के साथ ही साथ समाज को नए विचारों की ओर जाने के लिए भी प्रेरित करते हैं।